



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN1703	ImageGroup:	I3CN1705
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	རྒྱུད་བཞི་ལས་ཙ་རྒྱུད་དང་བཤད་རྒྱུད། rgyud bzhi las rtsa rgyud dang bshad rgyud/
Author:	ཡོན་ཏན་མགོན་པོ་ yon tan mgon po
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 05/2015

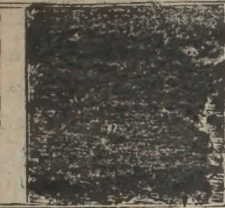
98. Bdud-rtsi sñiñ-po yan-lag brgyad-pa gsañ-ba man-nag-gi rgyud

༩༨། བདུད་རྩི་སྒྲིང་པོ་ཡན་ལག་བརྒྱད་པ་གསལ་ངང་མཛན་པའི་གཞི་རྒྱུད་ལས་དུམ་པུ་དང་པོ་ཙམ་བའི་རྒྱུད་ཅེས་བྱ་བ་བཞུགས།

༡

ཐུང་

པུས་



མཁའ་ཆེན་ཆོས་ཀྱི་ཡུལ་ལོ།

༡༡། །ནོར་ཕུ་རྩེ་པོ་ཆེ་དེས་ནི་རྒྱུ་ལོ་ནད་དང་མཁའ་ཁྱིམ་པའི་ནད་དང་པད་ཀན་གྱི་ནད་དང་ལྷན་པའི་ནད་དང་འདུས་པའི་ནད་ལས་གྱུར་པའི་ནད་
 བཞི་བརྒྱུ་བཞི་སྟེ་པ་བར་བྱེད་པ། ཆོ་བའི་ནད་ལ་བསྐྱེད་པུ་གྱུར་པ། གྲང་བའི་ནད་ལ་དྲོད་པུ་གྱུར་པ། བཤེགས་ཤིག་སྟོང་བྱས་པུ་གྱུར་པ། ཞི་བར་བྱེད་པ། དགོས་
 འདོད་བམས་ཅད་ཡིད་བཞིན་ཏུ་གྱུར་པར་བྱེད་པ་ཡོད་དོ། །གྲོང་བྱེད་དེ་རི་ལྷོ་གྲུག་སྐོར་རི་བོ་འཕྲིག་སྟེ་ཅེས་བྱ་བ་ཉི་མའི་སྟོབས་དང་ལྷན་པའི་རི་ལ་སྟེ་འབྲུ་དང་
 ན་ལ་ཤམ་དང་པི་པི་ལི་དང་ཅི་རྒྱ་ཀ་ལ་སྟེ་གསལ་པ་གྲང་བསྟེ་པའི་སྟོན་རི་ཆོ་བ་དང་གྱུར་བ་དང་ལན་ཆོ་བ་དང་རུས་པ་ཆོ་བ་དང་ནོ་བའི་སྟོན་གྱི་ནགས་ཆོ་ལ། ཅ་
 བ་དང་སྟོང་པོ་དང་ཡལ་ག་དང་ལོ་མ་དང་སྟོག་དང་འབྲས་བུར་ལྷན་པའི་སྟོན་ནི་ཞིས་པ་ལྷན་སྟེ་པ་ཡིད་དུ་འོང་བ་སྟོན་གྱི་དུས་ཁྱུ་བ་ལ་ནམས་སྟེ་གྲང་བའི་ནད་མི་འབྱུང་བ་



གཞུང་ཐོག་པ་ལ་ལོ།

[illegible]

321

ཡོད་པ། ལྷན་གྱི་ན་གསལ་ཆ་ལ་ཉི་ཅེ་མོ་བ་སྤྱད་དང་ཤང་ཤང་དང་ནེ་ཅོ་ལ་སོགས་པ་བྱས་ནས་སྤྱད་སྤྱད་པར་སོགས་པ། ཅུ་པ་བྱས་ནས་པོ་ཆེ་དང་དོམ་དང་གྲུ་པ་ལ་སོགས་པ་སྤྱད་བཟང་པོ་ཡོད་པ་ཉི་ཅེ་མོ་སྤྱད་ཆེད་བར་གསལ་པ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

20

200।
[Text in Tibetan script, likely a historical or administrative document. The text is written in a cursive style and is contained within a rectangular border.]

༢༢༡། །ཞིག །དེ་སྒྲུང་ཅེས་ཀྱི་པུལ་པ་དང་། སྒྲུང་པུལ་པ་པའི་དྲུང་སྒྲུང་ཞིག་པའི་ཡི་ཤེས་དེས་འདི་སྒྲུང་ཅེས་གསུངས་སོ། །འཇིག་རྟེན་ཆེན་པོ་ཡིད་ལས་སྒྲུབ།
 ཞེས་པུལ་པའི་ཁྱུང་པུལ་པ་པའི་། །དེ་སྒྲུང་གཙོ་བོ་རྒྱུ་རྩེ་ཡི་ལུས་ལ། །མིན་གསལ་དང་ན་བ་གསལ་དང་། །ཆོ་རི་ཆོས་ནོར་བུ་དེ་བསྒྲུབ་པའི་ཕྱིར། །གསོ་བ་རྒྱུ་པའི་དོན་
 རྒྱུ་ལས་ཡོད་པ་སྒྲུབ། །གསོ་བྱ་གསོ་བྱེད་དེ་སྒྲུང་གསོ་བ་དང་། །གསོ་བ་པོ་དང་རྒྱལ་པ་བཞི་རུ་བཤད། །དང་པོ་གསོ་བ་རྒྱུ་པའི་ལུས་པ་སྒྲུབ་པ། །གང་གི་དོན་རུ་གསོ་བ་ལུས་དང་ནི། །གང་
 གསོ་དེ་ལས་སྒྲུང་བའི་ནང་རུ་བསྒྲུབ། །ཀ་ལ་གསོ་བ་རྒྱུ་པའི་གཉེན་པོ་ནི། །སྒྲུང་ལས་ཟུང་དང་སྒྲུང་དང་སྒྲུང་རྒྱུ་ལས་སོ། །ཀ་དེ་གཉེན་པོས་ཇི་ལྟར་གསོ་བ་ལ། །ཀ་མེད་གསལ་
 མིང་རི་རུ་འཛོལ་དང་། །རྒྱལ་གྱི་རྒྱུ་རྒྱུ་ལས་པའི་རྒྱུ་པའི་། །དེ་ལ་དོས་བཟུང་བཞི་གཤམ་པའི་ ་ ་ ་ བཤམ་དང་ནི། །ཏིག་སྒྲུང་ཇི་ལྟར་གསོ་བའི་གསོ་ཆུ་པ་དང་། །གང་གིས་གསོ་བའི་གསོ་བཤམ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Devanagari, enclosed within a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is cursive and somewhat faded, suggesting it is an older manuscript. The content appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical or administrative record. The text is written in a dark ink on a light-colored, aged paper.

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Tibetan or Chinese, and is arranged in several lines. The first line is partially obscured by a vertical margin line on the left. The text appears to be a continuous passage, possibly a prayer or a historical record. The script is dense and flowing, with some characters being more prominent than others. The overall appearance is that of an aged, possibly leather-bound, manuscript.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

55

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Devanagari, enclosed within a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related language. The rightmost line contains a distinct phrase that may serve as a signature or a chapter marker.

Handwritten text at the top of the page, likely a title or introductory line.

Handwritten text in the main body of the page, consisting of several lines of script.

Vertical handwritten text on the right margin.

[illegible]

201. [The text in this section is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Tibetan, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The text is written in black ink on aged, slightly discolored paper. The border is simple, consisting of a single line. The overall appearance is that of a historical manuscript or a page from an old book.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to extreme fading or damage to the original document.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a single line or two of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a historical or administrative document.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐོར་གྱི་མཛན་པ་ལྟར་བཤད་པའི་ཕྱི་མཁའ་ལྷན་གྱི་ཞུ་བ།

1871

[illegible]

[illegible]

[illegible]

